

Sangharsh



(In English)

3 days Dharna at Jantar Mantar was organized by **Sangharsh**. In this massive gathering **Swami Agnivesh** eloquently expressed his views against injustice and abuse of human rights by some of the draconian laws prevalent since colonial times. He reiterated the need for mobilizing peoples power as against the power of the political class and the Corporates to transform into a tool against the corrupt practices of the Government and the Political System.



(हिन्दी में)

संघर्ष द्वारा जन्तर मन्तर पर चल रहे तीन दिवसीय धरने के दौरान स्वामी अग्निवेश ने पूरे जोश भरे वक्तव्य में समाज में व्याप्त शोषण, अन्याय व अत्याचार का विरोध करते हुए कहा कि जनता को सरकार द्वारा बनायी गई गलत नीतियों व त्रुटिपूर्ण कानूनों का पुरजोर विरोध करना चाहिए तथा देश की जनता को देश के जल, जमीन, जंगल और खनिज सम्पदा पर अपना मालिकाना हक जताते हुए देश की राजनैतिक व्यवस्था में परिवर्तन लाने के लिए इसी प्रकार अहिंसात्मक रूप से संघर्ष करना चाहिए। स्वामी अग्निवेश द्वारा लगवाये गये नारे – कमाने वाला खायेगा, लूटने वाला जायेगा और नया जमाना आयेगा से सारा जन्तर मन्तर गूँज उठा तथा धरने पर बैठे हजारों आदिवासियों को ताकत मिली एवं संघर्ष को और आगे जारी रखने का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इस अवसर पर आन्दोलनकारी सुश्री मेधा पाटकर, सुश्री कविता श्रीवास्तव, श्रीमती मणिमाला, डॉ० सुनीलम्, श्री के० बी० सक्सेना सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद थे।

